एकात्म भारत के लिए
सुरेंद्र मिश्रा द्वारा प्रकाशित

एकात्म भारत

जो एकात्म है वही भारत है

अश्विन कृष्ण पक्ष धनतेरस
शुक्रवार विक्रम संवत् 2076

धनतेरस की शुभकामनाएं

25-10- 2019, इंदौर

e-paper : www.ekatmabharat.com

जनता ने महाराष्ट्र-हरियाणा के सीएम पर भरोसा बरकरार रखा

विधानसभा चुनाव 2019

नई दिल्ली

महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी के सरकार बनना तय हो गया है हालांकि लोकसभा चुनाव के बाद हुए विधानसभा चुनावों के परिणाम भारतीय जनता पार्टी के लिए उस तरह से नहीं रहे, जिसकी उम्मीद की जा रही थी। क्योंकि हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव 2019 में बीजेपी प्रचंड बहुमत से जीत कर सत्ता में आई है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने महाराष्ट्र में एक साधारण जीत हासिल की। हालांकि, बीजेपी-शिवसेना गठबंधन ने बहुमत के आंकड़े को छू लिया, मगर यह भारी बहुमत नहीं है। महाराष्ट्र में मिले बहुमत ने शिवसेना के समर्थन से देवेंद्र फडनवीस के लिए एक बार फिर से मुख्यमंत्री का मार्ग प्रशस्त किया। महाराष्ट्र की 288 सीटों में से बीजेपी ने 105 पर जीत दर्ज की है और शिवसेना 56 सीटें जीतने में कामयाब हुई है, जिसकी बदौलत एनडीए 161 सीटें जीतकर आसानी से सरकार बनाने के लिए सक्षम है। हालांकि, बीजेपी और शिवसेना के बीच सत्ता का बंटवारा किस तरह होगा, यह अभी अनिश्चित है। हालांकि, शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे नतीजे आने के तुरंत बाद गुरुवार को कहा कि बीजेपी के साथ उनका 50-50 समझौता हुआ है, जिसके मुताबिक, ढाई साल बीजेपी से मुख्यमंत्री होगा और ढाई साल शिवसेना का। उन्होंने इस बात को दोहराया कि इस डील का सम्मान किया जाना चाहिए। वहीं, एनसीपी को 54 सीटें मिली हैं और कांग्रेस 44 सीटें जीतने में सफल रही है। हरियाणा में लगा। 90 सीटों में से पार्टी आधा रास्ता भी तय नहीं पाई और 40 सीटें ही जीतने में सफल रही। हालांकि, हरियाणा में बीजेपी ही सबसे बड़ी पार्टी है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री बीएस हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस ने बीजेपी को कड़ी टक्कर दी और 31 सीटें जीतकर दूसरे स्थान पर काबिज है। इसके अलावा दुष्यंत चौटाला के नेतृत्व में जेजेपी ने 10 सीटें जीती हैं। साथ ही 7 निर्दलीयों ने भी बाजी मारी है।

एकात्म भारत ई-पेपर पढ़ने के लिए फेसबुक पर दैनिक एकात्म भारत पेज को लाइक कर सकते हैं । इएकात्म भारत www.ekatmabharat.com पर भी उपलब्ध है। आप ई-मेल ekatmabharat1@gamil.com पर समाचार और सूचनाएं भेज सकते हैं।

कश्मीर पर पाक के पक्ष में बयान देने पर व्यापारियों ने मलेशिया का तेल निकाला

भारत सरकार ने भी कश्मीर पर भारत विरोधी गतिविधियों को भड़काने वाले देशों को दी चेतावनी

नई दिल्ली

कश्मीर के मुद्दे पर मलेशिया के प्रधानमंत्री महाथिर मोहम्मद के बयान से नाराज होकर भारतीय व्यापारियों ने मलेशिया के सामान का बहिष्कार करना शुरू कर दिया है। इसका सबसे ज्यादा असर मलेशियाई पाम तेल पर पड़ा है। इसके बाद मलेशिया के व्यापार मंत्री ने भारत से पाम तेल की खरीदी जारी रखने को कहा है। मलेशियाई प्रधानमंत्री ने कहा था कि हम कश्मीर पर अपने पुराने रुख पर कायम हैं। उन्होंने इस मामले में संयुक्त राष्ट्र संघ का हवाला दिया था। लेकिन भारतीय व्यापारियों के बहिष्कार के बाद मलेशिया की सरकार का "तेल" निकल गया है। इसके अलावा सरकार ने भी कश्मीर मुद्दे को लेकर दुनिया के कई देशों में उभरी भारत विरोधी ताकतों को देखते हुए उन देशों की सरकारों को चेतावनी दी है कि उन्हें भारत के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को देखते हुए उसके खिलाफ चलाई जाने वाली विरोधी गतिविधियों पर लगाम लगाने की व्यवस्था करनी चाहिए। भारत ने इस बारे में अपनी बात तब रखी है, जब कई देशों से इस तरह की सूचनाएं आ रही है कि पाकिस्तान ने विदेशों में फिर से अपने 'कश्मीर सेल्स' को सक्रिय करना शुरू कर दिया है। कई देशों में कश्मीर को लेकर रोटी सेंकने वाले समूहों और खालिस्तान समर्थक समूहों के बीच गठबंधन बनने की बात भी सामने आ रही है। कश्मीर मुद्दे पर लंदन में पाकिस्तान समर्थकों की एक बड़ी भीड़ ने भारतीय उच्चायोग के सामने हिंसक प्रदर्शन किया था। अब वहां फिर से भारतीय उच्चायोग के सामने प्रदर्शन करने की तैयारी है।

इस पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने कहा, 'यह बेहद गंभीर मामला है और हमें इस पर काफी चिंता है। हमने ब्रिटिश सरकार ने अपनी चिंता के बारे में बताया है कि किसी भी प्रदर्शन आदि से उच्चायोग के सामान्य काम काज पर कोई असर नहीं पड़ना चाहिए। हमें उम्मीद है कि ब्रिटिश सरकार इस बार ज्यादा सक्रिय होगी।' कुमार का यह वक्तव्य तब आया है, जब ब्रिटेन के पीएम बोरिस जॉनसन ने मामले को संज्ञान में लिया है।

भारत उन देशों के साथ भी संपर्क में है जहां पाकिस्तान के समर्थन से कश्मीर सेल्स सक्रिय हो चुके हैं। इन देशों को चेताया गया है कि कश्मीर मुद्दे को भड़काने में एक खास राष्ट्रीय पहचान के लोग जिस तरह से बड़े पैमाने पर जुड़ रहे हैं, वह आगे खतरनाक परिणाम दिखा सकता है। प्रवक्ता रवीश कुमार ने इस पर दो टूक कहा, 'पाकिस्तान ने लगभग अपने हर विदेशी दूतावास में कश्मीर सेल्स खोल रखे हैं। इनका मुख्य उद्देश्य स्थानीय नागरिक जो पाकिस्तान के नागरिक नहीं है बल्कि किसी दूसरे देश के नागरिक हैं, उन्हें उकसाने की है।' माना जा रहा है ब्रिटेन और कनाडा इस तरह की गतिविधियों के सबसे बड़े केंद्र के तौर पर उभर रहे हैं।

कनाडा में कश्मीर और खालिस्तान समर्थकों का गठजोड़ फिर से सक्रिय हो चुका है। यह ग्रुप दो दशक पहले होता था, लेकिन इन्हें काबू में करने की कूटनीतिक क्षमता भारत ने दिखाई थी। हाल ही में संपन्न हुए चुनाव में कुछ ऐसे सांसद दोबारा चुनाव जीत कर आये हैं, जो खुलेआम खालिस्तान का समर्थन करते हैं। इससे वहां भारत विरोधी भावनाओं के और भड़काये जाने के आसार है। भारत ने कश्मीर मुद्दे पर अमेरिकी संसद में चली सुनवाई और उसमें कश्मीर से धारा 370 हटाने के फैसले पर हुई बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी पर भी अफसोस जताया है। भारत ने कहा है कि जिस तरह से कुछ सांसदों ने टिप्पणी की है वह दर्शाता है कि उन्हें कश्मीर की स्थिति का संज्ञान नहीं है। दूसरी तरफ तुर्की और मलयेशिया को भी कश्मीर मुद्दे पर बगैर तथ्यात्मक जानकारी के टिप्पणी करने से बाज आने का आगाह किया गया है। तुर्की की तरफ से कई बार कश्मीर पर बेहद आपत्तिजनक टिप्पणियां आई हैं जिनके बारे में भारत ने कहा है कि वह तथ्यों पर आधारित नहीं है। एक दिन पहले ही भारत ने तुर्की जाने वाले भारतीय पर्यटकों को वहां की स्थिति से आगाह किया है। तुर्की के साथ दूसरे कारोबारी समझौतों की भी समीक्षा की जा रही है।

फिर उठी हिंदू देवताओं के फोटो वाले पटाखों पर बैन की मांग

हिंदू जनजागृति समिति ने की मांग

बैंगलुरू

हिंदू देवी-देवताओं के फोटो वाले पटाखों पर लगे बैन हिंदू जनजागृति समिति ने बेंगलुरु के पुलिस कमिश्नर से हिंदू देवी-देवताओं के फोटो वाले पटाखों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। समिति का कहना है कि कम से कम 10 प्रकार के पटाखों पर हिंदू देवताओं की तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया है। पटाखों के फोड़े जाने के बाद ये तस्वीरें अक्सर नाली में पाए जाते हैं. ऐसे में हिंदू देवताओं का अपमान होता है। इसलिए इन पर प्रतिबंध लगाया जाए. बता दें कि बीते साल भी कई हिंदुत्ववादी संगठनों ने लोगों से उन पटाखों का उपयोग नहीं करने की मांग की थी जिनमें हिंदू देवी-देवताओं के चित्र हैं। विश्व हिंदू परिषद ने कहा कि निर्माता अपने उत्पादों को बेचने के लिए भगवान का उपयोग कर रहे हैं लेकिन बाद में पटाखे के डिब्बे सड़कों पर छोड़ दिए जाते हैं। एक तरफ हम देवी लक्ष्मी से प्रार्थना करते हैं और दूसरी तरफ हम उनके चित्र वाले पटाखे फोड़ते हैं। देशभर में दिवाली के मद्देनजर पटाखों की बिक्री बढ़ जाती है। लेकिन हिंदुत्ववादी संगठन ने ऐसी मांग कर लोगों को एक कड़ा संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं।